# Daily Gospel Reflections in Hindi

**28 September 2019**

मत्ति 26 : 6 - 13
Pouring of oil at Bethany

- ❖ येसू के प्रति मेरी क्या प्रतिक्रिया है?
- ❖ दिल से क्या मैं येसू से प्रेम प्रकट कर पाते है?
- ❖ येसू को नजदीक से जानने के लिए मेरा प्रयास क्या है?
- ❖ इन सभी सवालों के जवाब ढूँढ़ना आज हमारा जिम्मेदारी है।

सुसमाचार ऐसी एक संस्कृति की पृष्टभूमी में आज के इस घटना को हमारे सामने रखता हैं। पैदल घूमने वाले लोग उतना साफ सुधरे नहीं थे जैसे कि आज के जमाने के जैसे।

ऐसी एक स्थिति में सभी रीति–रिवाजों को पार करते हुए एक कनानी स्त्री येसू से अपना प्रेम प्रकट करती है। वह रूकती नहीं बल्कि अपने जीवन के हर एक कीमती चीज़ों को येसू के समक्ष डालती है।

- ❖ मेरी येसू के नजदीक रहकर अपने जीवन में ईश्वर को पाया।
- ❖ मेरी येसू के वचनों को सुनकर येसू के साथ चली।
- ❖ मेरी येसू के नज़दीक रहकर वचन सुनकर जैसे प्रिये बनी हम भी येसू के पूर्ण शिष्य बने।

**Rev. Fr. Santo Pullan**

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019